भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 184*

दिनांक 03.08.2016/12 श्रावण, 1938 (शक) को उत्तर के लिए

बेरोजगारी के कारण युवाओं का आतंकवादी और नक्सली संगठनों में शामिल होना

†*184. चौधरी सुखराम सिंह यादव :

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोई ऐसा अध्ययन करवाया गया है जिससे यह पता चल सके कि देश के कितने नौजवान बेरोजगारी से उत्पन्न कुंठा के कारण आतंकवादी या नक्सली संगठनों में शामिल हो रहे हैं;

(ख) क्या मंत्रालय नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में जागरुकता लाने और रोजगार के अवसरों हेतु कोई कदम उठा रहा है जिससे नक्सलवाद की ओर नौजवानों के झुकाव को कम करने में मदद मिल सके; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में गृह मंत्री **(श्री राजनाथ सिंह)**

(क) से (ग) : एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

*****

<u>दिनांक 3.8.2016 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 184 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण</u>

(क) : इस मंत्रालय के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार, बेरोजगारी के कारण वामपंथी उग्रवादी संगठनों में शामिल हो रहे देश के युवाओं की संख्या का पता लगाने के लिए कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं कराया गया है।

(ख) और (ग) : वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से, केन्द्र सरकार राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता पहुंचाती है तथा उसने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण, संचार नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण, मोबाइल टॉवरों की स्थापना, बैंकों, डाकघरों के नेटवर्क में सुधार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की सुविधाओं सहित विभिन्न उपाय किए हैं।

केन्द्र सरकार कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित की जा रही विकास संबंधी दो योजनाओं अर्थात "वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 34 जिलों में कौशल विकास" (मार्च, 2011 से मार्च, 2016 तक क्रियान्वित) और "प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना" के माध्यम से वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए भी राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता पहुंचाती है।

.....3/-

नक्सलवाद की ओर युवाओं के झुकाव को समाप्त करने के लिए जागरूकता फैलाने संबंधी राज्य सरकारों के प्रयासों में केन्द्र सरकार मदद पहुंचाती है, जिसमें, अन्य बातों के साथ-साथ, सरकार की विभिन्न विकास एवं कल्याण संबंधी योजनाओं/कार्यक्रमों के बारे में सूचना का प्रचार-प्रसार, वार्षिक जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम (टी वाई ई पी) और हिंसा की निरर्थकता, राष्ट्रीय अखंडता, देशभक्ति, राष्ट्र-निर्माण और सांप्रदायिक सौहार्द आदि के बारे में सूचना का प्रचार-प्रसार शामिल है।

*****